

[This question paper contains 6 printed pages.]

2452 Your Roll No. ....

LL.B. / I Term F

Paper LB-102 : PRINCIPLES OF CONTRACT

Time : 3 Hours Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top immediately  
on receipt of this question paper.)

Note :- Answers may be written either in English or in Hindi;  
but the same medium should be used throughout the  
paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा  
में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any Five questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Discuss the law governing communication of acceptance and explain when communication of acceptance is complete when it is sent by post, telephone e-mail & whatsapp.

P.T.O.

प्रतिग्रहण की संसूचना को अधिशासित करने वाली विधि का विवेचन कीजिए और संसूचना डाक-टेलीफोन ई-मेल और व्हाट्सएप द्वारा भेजी गई है तब प्रतिग्रहण की संसूचना कब पूर्ण होती है। स्पष्ट कीजिए।

2. Write comments on any two of the following cases:

- (a) Carlill V. Carbolic Smoke Ball Co.
- (b) Harvey V Facey
- (c) Haridwar Singh V Begum Sumbri

निम्नलिखित कसों में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए:

- (a) Carlill V. Carbolic Smoke Ball Co.
- (b) Harvey V Facey
- (c) Haridwar Singh V Begum Sumbri

3. Explain the definition and essentials of consideration.

An old lady by deed of gift, made over certain landed property to the defendant, her daughter. By the terms of the deed, which was registered, it was stipulated that an annuity of Rs 5 lakh per annum should be paid every year to the plaintiff who was the brother of the old lady. The defendant on the same day executed an agreement in the plaintiff's favour to give effect to

the stipulation of gift deed. The annuity was, however, not paid and the plaintiff sued to recover it. Decide

प्रतिफल की परिभाषा तथा आवश्यक तत्वों की व्याख्या कीजिए। एक वृद्ध औरत ने उपहार-विलेख के द्वारा अपनी कतिपय भू-संपत्ति प्रतिवादी-अपनी पुत्री को हस्तांतरित कर दी। विलेख, जो कि रजिस्टर्ड था, के निबन्धनों द्वारा यह अनुबद्ध किया गया था कि प्रतिवर्ष पांच लाख रुपए की वार्षिकी का भुगतान वादी को, जो वृद्ध औरत का भाई था, किया जाना चाहिए। प्रतिवादी ने उसी दिन वादी के पक्ष में उपहार-विलेख के अनुबंध को प्रभावी बनाने के लिए करार-पत्र निष्पादित किया। किन्तु वार्षिकी का भुगतान नहीं किया गया तथा वादी ने इसकी वसूली के लिए वाद चलाया। विनिश्चय कीजिए।

4. Explain the nature of an agreement with a minor with reference to statutory provisions and decision of Privy Council in **Mohori Bibee V Dharmodas Ghose**. Whether a minor, who, by falsely representing himself to be a major, has induced a person to enter into a contract is estopped from pleading his minority to avoid the contract.

कानूनी उपबंधों और मोहरी बीबी बनाम धर्मदास घोष मामले में प्रिवी काउंसिल के विनिश्चय को निर्दिष्ट करते हुए अवयस्क के साथ करानामा के स्वरूप की व्याख्या कीजिए। क्या वह अवयस्क जो झूठ बोल कर अपने आपको वयस्क घोषित करके किसी व्यक्ति को सबिदा

करने के लिए उत्प्रेरित करता है, सविदा से बचने के लिए अवयस्कता का अभिवाक करने से विबधित है?

5. What are the essential ingredients of undue influence and how a plaintiff who seeks relief on this ground should proceed to prove his case and when the defendant is called upon to show that the contract was not induced by undue influence. Discuss the three stages for consideration of a case of undue influence which were expounded in the case of **Raghunath Prasad V Sarju Prasad** and applied by Supreme Court in **Subhash Chandra V Ganga Prasad**.

अनुचित प्रभाव के आवश्यक तत्व क्या हैं। किसी वादी को, जो इस आधार पर अनुतोष चाहता है, अपना केस साबित करने के लिए और जब प्रतिवादी से यह दर्शाने के लिए कहा गया है कि सविदा अनुचित प्रभाव से उत्प्रेरित नहीं की गई थी, किस प्रकार अगली काईवाई करनी चाहिए। अनुचित प्रभाव के केस के प्रतिफल हेतु उन तीन अवस्थाओं का विवेचन कीजिए जिनका रघुनाथ प्रसाद बनाम सरजू प्रसाद केस में प्रतिपादन किया गया था और जिनको उच्चतम न्यायालय द्वारा सुभाष चन्द्र बनाम गंगा प्रसाद केस में लागू किया गया था।

6. "The doctrine of frustration is really an aspect or part of the law of discharge of contract by reason of supervening impossibility of the act agreed to be done

and hence comes within the purview of section 56 of Indian Contract Act." Examine the validity of the above statement with reference to decided cases.

"विफलीकरण का सिद्धान्त जिस कार्य को किए जाने का करार हुआ है उसके बीच में आ पड़ने वाली असंभवता के कारण सविदा के उन्मोचन की विधि का वस्तुतः एक पक्ष या भाग है, अतः भारतीय सविदा अधिनियम की धारा 56 की सीमा के अन्तर्गत आता है।" विनिश्चित केसों के निर्देश सहित उपर्युक्त कथन की वैधता की जांच कीजिए।

7. Write short notes on any two of the following:

- When and how can a proposal be revoked?
- Privity of Contract
- Obligation of person enjoying the benefit of non-gratuitous act

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

- कोई प्रस्थापन कब तथा किस प्रकार प्रतिसंहारित की जा सकती है?

(ख) सविदात्मक सम्बन्ध।

(ग) अनानुगतिक कार्य का लाभ भोगने वाले व्यक्ति की बाध्यता।

8. "Where two parties have made a contract which one of them has broken, the damages which the other party ought to receive in respect of such breach of contract should be such as may fairly and reasonably be considered either arising naturally, i.e., according to the usual course of things, from such breach of contract itself, or such as may reasonably be supposed to have been in the contemplation of both parties, at the time they made the contract, as the probable result of the breach of it." Examine the above statement and explain the difference between general damages and special damages with reference to statutory provisions and decided cases.

"जहाँ दो पक्षकारों के बीच सविदा हुई जिसको उनमें से एक ने भंग कर दिया है वहाँ ऐसे सविदा भंग के बारे में अन्य पक्षकार को जो नुकसानी प्राप्त होनी चाहिए वह ऐसी हो जो ऋजुतापूर्वक तथा युक्तिपूर्वक ऐसी मानी जा सके जो या तो स्वाभाविक रूप में तय हुई हो अर्थात् स्वयं सविदा भंग से सामान्य अनुक्रम के अनुसार तय हुई हो या ऐसी हो जो सविदा के करने समय उसके भंग के प्रायिक परिणामस्वरूप होते हुए दोनों पक्षकारों के द्वारा युक्तियुक्त रूप में अवेक्षित की गई मानी जाए।" उपयुक्त कथन की जांच कीजिए और कानूनी उपबंधों तथा विनिश्चित केशों के निर्देश सहित सामान्य नुकसानी और विशेष नुकसानी के बीच अन्तर को स्पष्ट कीजिए।